TOB बालमंच

मासिक जनवरी-2021 नन्हीं कलम से ..... ✍

गणतंत्र दिवस विशेषांक

इस अंक में पढ़ें

क्यों होती है ठंढ में कंप-कंपी ?

ग्राफिक्स डिजाइनर :- त्रिपुरारि राय
म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)

अंक – अष्टम

संपादिका :- रूबी कुमारी
उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)

सम्पादकीय

बाल कलाकारों के उत्कृष्ट क्रियाकलापों, रचनाओं, गतिविधियों को समर्पित मासिक पत्रिका 'बालमंच', नन्हीं कलम से..... ✍ का आठवां अंक प्रकाशित करते हुए हमें अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है।

सातवें अंक का प्रकाशन भी हमारे लिए गौरवपूर्ण रहा। हमारी इस बाल पत्रिका को आप सभी पाठकों का स्नेह लगातार मिल रहा है। इसी स्नेह का परिणाम है कि अब हम एक नई शुरुआत करने जा रहे हैं। अगले अंक में प्रकाशित रचनाओं में से सर्वश्रेष्ठ रचनाकार को TOB बालमंच की ओर से e-certificate देकर सम्मानित किया जाएगा।

हमारे नन्हे मुन्ने तथा बालमंच के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ.....

रूबी कुमारी
सहायक शिक्षिका,
UMS सरौनी ,बौंसी (बाँका)

सर्वाधिकार सुरक्षित,
संपादिका

अमृषा आर्या

उदबोधन

त्रिपुरारि राय
ग्राफिक्स डिजाईनर, बालमंच

आप सबों के बीच बालमंच का **अष्टम** संस्करण को प्रस्तुत करते हुए हमें अपार खुशी हो रही है | कोरोनाकाल के बादल अब छंट गए हैं| इस माह से विद्यालय में आप फिर से अपने गुरुजनों से रू-ब-रू हो रहे होंगे| विद्यालय में आपकी उपस्थिति विद्यालय की शोभा बढ़ाएगी| बालमंच की व्यापक चर्चा होगी| दुगुने उत्साह से आप सबों की अपनी रचनाएँ छापी जाएंगी| आइए एक नए कल का शुरुआत नए उमंग और हर्षोल्लास से करते हैं|

नववर्ष की ढेर सारी शुभकामनाएं सहित|

त्रिपुरारि राय
सहायक शिक्षक,
म.वि. रौटी, महिषी (सहरसा)
मो.- 6202839650

अनुष्का

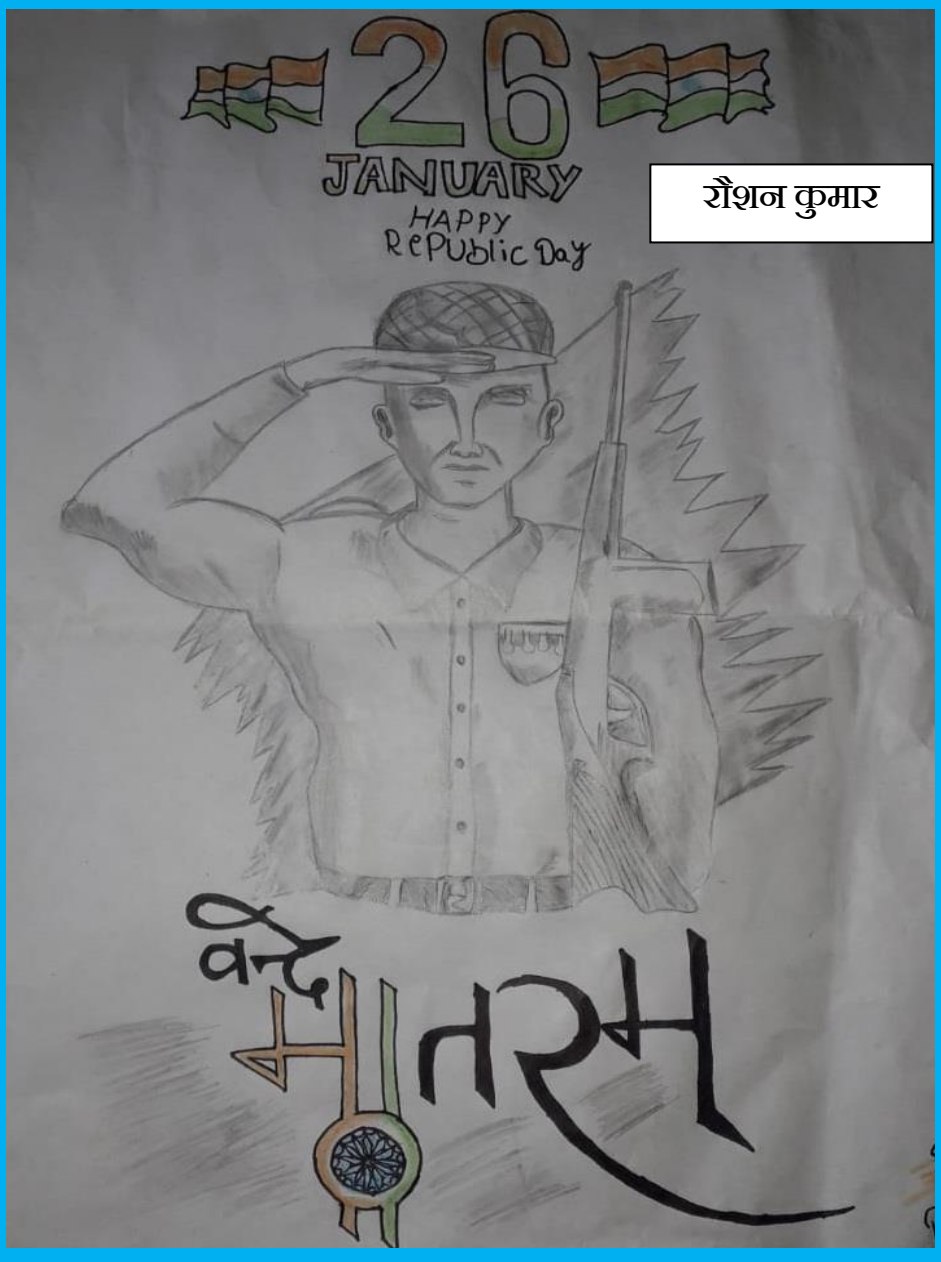

रौशन कुमार

शुभकामना सन्देश

भारतीय स्टेट बैंक परिवार TOB को बाल मंच के माध्यम से बच्चों के बीच शैक्षणिक जागरूकता का माहौल स्थापित करने के लिए उन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद देता है | कारपोरेट सामाजिक दायित्व के तहत बैंक द्वारा विद्यालय के बच्चों / बच्चियों को समय-समय पर गिफ्ट पैकेट एवं अन्य पठन-पाठन सामग्री प्रदान कर जरूरतमंदों को सहयोग पहुंचाने का कार्य करती है | TOB बालमंच पत्रिका बच्चों के बीच एक बड़ी अभिरुचि पैदा करती है| उसके शैक्षणिक विकास में अहम भूमिका अदा कर रही है| इस तरह की शैक्षणिक कार्य हेतु बाल मंच के संपादक और अन्य पदाधिकारी को नव वर्ष के शुभ अवसर पर हम बहुत बधाई देते हैं| आने वाले समय में बाल मंच अधिक से अधिक बच्चों एवं सामाजिक जरूरतमंद को लाभ एवं जागरूकता प्रदान करें |

शुभकामनाओं के साथ |

विनोद कुमार सिंह
एस.बी.आई. आर.एम. सहरसा

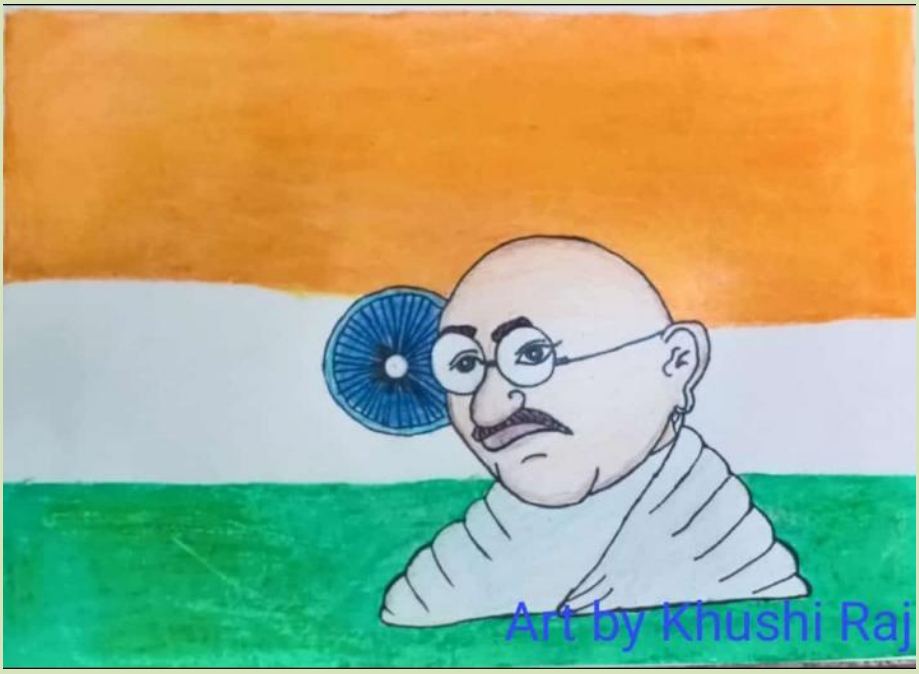

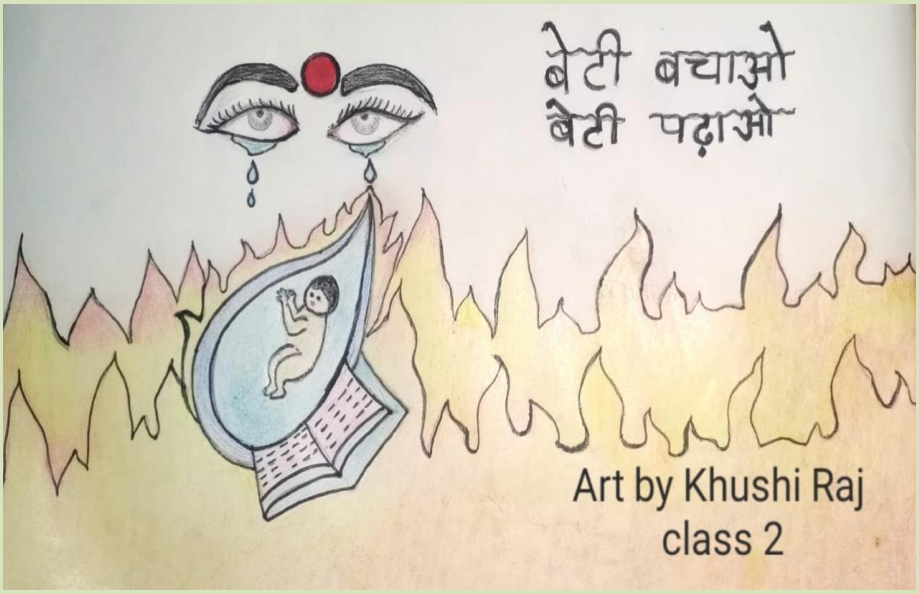

प्रेरक प्रसंग

विकाश कुमार (शिक्षक)
म.वि. महिसरहो, महिषी (सहरसा)

काम लेने का तरीका

एक खेत में कुछ मजदूर काम कर रहे थे। एक गहनता काम करने के बाद वे बैठकर आपस में गप्पें मारने लगे। यह देखकर खेत के मालिक ने उनसे कुछ नहीं कहा। उसने खुरपी उठायी और खुद काम में जुट गया। मालिक को काम करता देख मजदूर शर्म के मारे तुरंत काम में जुट गए। दोपहर में मालिक मजदूरों के पास जाकर बोला, "भाइयों! अब काम बंद कर दो। भोजन कर के आराम कर लो। काम बाद में होगा।"

मजदूर खाना खाने चले गए। थोड़ा आराम करके वे शीघ्र ही फिर काम पर लौट आये। शाम को छुट्टी के समय पड़ोसी खेत वाले ने उस खेत के मालिक से पूछा, " भाई! तुम मजदूरों को छुट्टी भी देते हो। उन्हें डांटते भी नहीं हो। फिर भी तुम्हारे खेत का काम मेरे खेत से दोगुना कैसे हो गया। जबकि मैं लगातार अपने मजदूरों पर नजर रखता हूँ । डांटता भी हूँ और छुट्टी भी नहीं देता।"

तब पहले खेत के मालिक ने बताया, "भैया! मैं काम लेने के लिए सख्ती से अधिक स्नेह और सहानुभूति को प्राथमिकता देता हूँ। इसलिए मजदूर पूरा मन लगाकर काम करते हैं। इससे काम ज्यादा भी होता है और अच्छा भी।"

ख़ुशी राज

टीचर्स ऑफ बिहार के सभी सदस्यों को नमस्कार| आज टीचर्स ऑफ बिहार के द्वितीय स्थापना दिवस पर आप सभी लोगों को हृदय तल से अनेकों शुभकामनाएं|

साथियों, यह प्लेटफार्म आप सब के सहयोग और मेहनत का प्रतीक है| दो सालों में हम लोगों ने बिहार के सरकारी विद्यालय के शिक्षकों को प्रोत्साहित करने एवं उनके नवाचारों को को आगे लाने का कार्य किया है| दो वर्ष पूर्व आज ही के दिन इसकी परिकल्पना की गई थी| आज हम सब गर्व से कह सकते हैं कि हम बिना किसी दिखावे और बिना एक रुपए की किसी से भी मदद लिए बिना अपने शिक्षकों और अपने राज्य के लिए कार्य कर रहे हैं| अब तक बिहार के शिक्षकों ने कई अच्छे कार्य किए लेकिन उन कार्यों की अनदेखी अक्सर की जाती रही है| लेकिन अब और नहीं, यह फोरम शिक्षकों के कर्तव्यों को विश्व के मानस पटल पर लाने के लिए प्रतिदिन प्रतिक्षण कार्य कर रहा है यह सब आप सबके वजह से ही संभव हो पाया है|

मैं गर्व से कहता हूं कि मैं टीचर्स ऑफ बिहार का एक छोटा सा सिपाही हूं| आइए हम सब मिल इस परिवार को आगे बढ़ाएं| पुनः एक बार आप सबको स्थापना दिवस की अनेकों बधाई |

आपका

शिव कुमार

फाउंडर, टीचर्स ऑफ बिहार

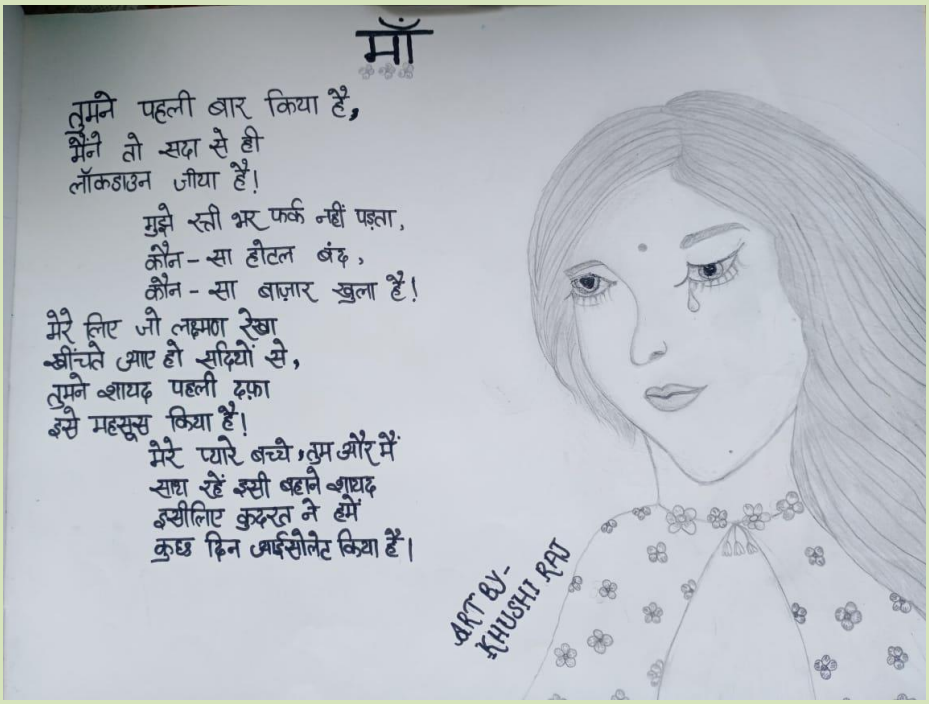

"तूने दिया देश को जीवन,
देश तुम्हें क्या देगा,
अपनी आँच तेज करने में,
नाम तुम्हारा लेगा..."

साथियों,

पिछले 2 वर्षों की आपकी तपस्या, त्याग, समर्पण, धैर्य, जुनून, जज्बात, आदि के समेकित रूप का ही नतीजा है कि आज हम सभी का टीचर्स ऑफ बिहार फेसबुक ग्रुप https://tinyurl.com/teachersofbihar-group के सदस्यों की संख्या 40,000 हो गयी। वैसे तो आप सभी सृजन के संघर्ष पथ के मतवाले रहें हैं जिनके पग कोविड-19 के संक्रमण काल में ना रुके, न झुके, बस बढ़ते रहें। आप जैसे साथियों का हाथ और साथ हम सब के लिए इस जन्म का अनुपम उपहार है। आइए हम सब एक नए जोश के साथ अपने कभी न रुकने वाले यात्रा को आगे बढ़ाते हैं जिसका लक्ष्य अपने सहकर्मी शिक्षक साथियों में कौशल विकास सहित पेशेवर नजरिया पैदा करने की कोशिश करते हैं तो देश के नौनिहालों में सृजन की भूख, चिंतन, खोजबीन की प्रवृति आदि विकसित करने का जुनून। आप सबको पुनः टीचर्स ऑफ बिहार फेसबुक ग्रुप के 40 हजारी होने पर अनेकों शुभकामनाएं।

आपका,
मृत्युंजयम्
टीचर्स ऑफ बिहार

इस कविता में हिन्दी वर्णमाला का क्रम से कवितामय प्रयोग-बेहतरीन है।

अ चानक
आ कर मुझसे
इ ठलाता हुआ पंछी बोला
ई श्वर ने मानव को तो
उ त्तम ज्ञान-दान से तौला
ऊ पर हो तुम सब जीवों में
ऋ ष्य तुल्य अनमोल
ए क अकेली जात अनोखी
ऐ सी क्या मजबूरी तुमको
ओ ट रहे होंठों की शोख़ी
औ र सताकर कमज़ोरों को
अं ग तुम्हारा खिल जाता है
अ: तुम्हें क्या मिल जाता है.?

क हा मैंने- कि कहो
ख ग आज सम्पूर्ण
ग र्व से कि- हर अभाव में भी
घ र तुम्हारा बड़े मजे से

च ल रहा है
छो टी सी- टहनी के सिरे की
ज गह में, बिना किसी
झ गड़े के, ना ही किसी

ट कराव के पूरा कुनबा पल रहा है
ठौ र यहीं है उसमें
डा ली-डाली, पत्ते-पत्ते
ढ लता सूरज

त रावट देता है
थ कावट सारी, पूरे
दि वस की-तारों की लड़ियों से
ध न-धान्य की लिखावट लेता है
ना दान-नियति से अनजान अरे

प्र गतिशील मानव
फ़ रेब के पुतलो
ब न बैठे हो समर्थ
भ ला याद कहाँ तुम्हें
म नुष्यता का अर्थ.?

य ह जो थी, प्रभु की
र चना अनुपम...
ला लच-लोभ के
व शीभूत होकर
श र्म-धर्म सब तजकर
ष ड्यंत्रों के खेतों में
स दा पाप-बीजों को बोकर
हो कर स्वयं से दूर
क्ष णभंगुर सुख में अटक चुके हो
त्रा स को आमंत्रित करते
ज्ञा न-पथ से भटक चुके हो। ****

अनुप्रिया

चुटकुले

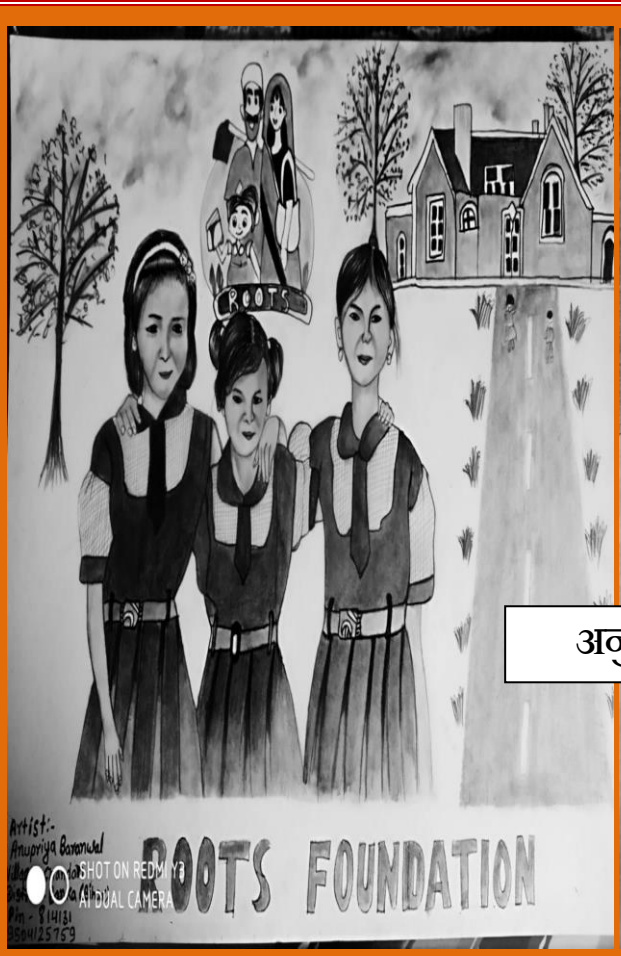

अनुप्रिया

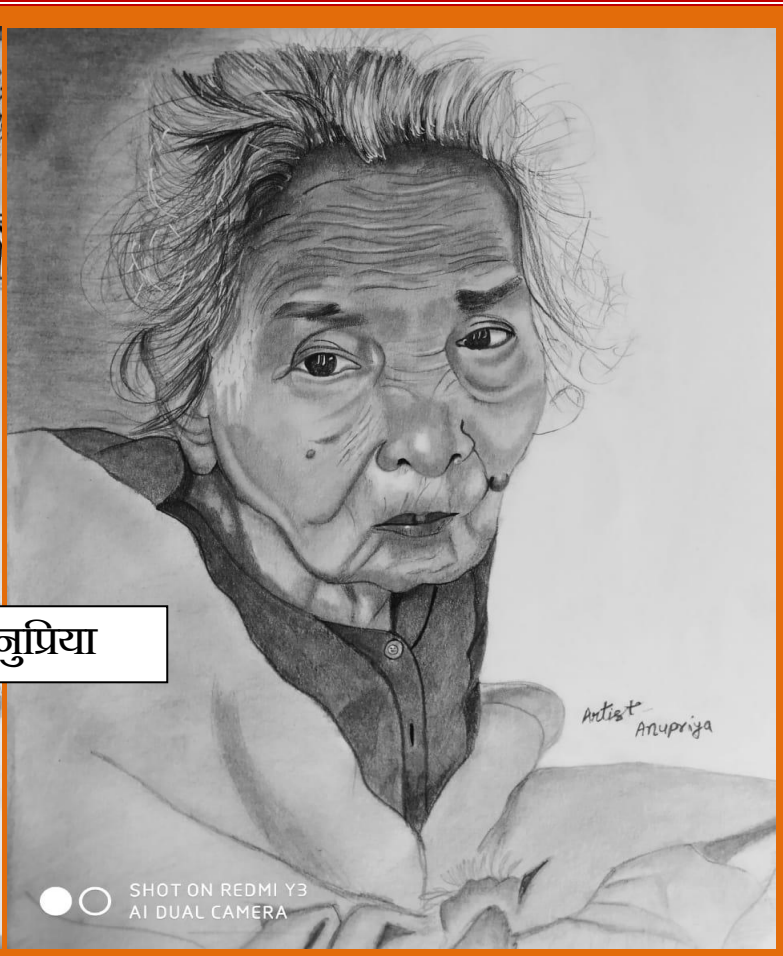

दिनांक 28 जनवरी 2021 को मध्य विद्यालय जेल कॉलोनी सहरसा में भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री विनोद कुमार सिंह के सौजन्य से " बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ " अभियान के तहत जरूरतमंद बालिकाओं को गर्म पोशाक,स्कूल बैग, मास्क इत्यादि का वितरण किया गया, जिसमें विद्यालय प्रधान श्री विमल कुमार की महती भूमिका रही। इस गौरवशाली क्षण में एस बी आई सहरसा (मुख्य शाखा) के प्रधान प्रबंधक राकेश रोशन एवम् बैंक के अन्य पदाधिकारी मितेश कुमार झा,ऋषभ श्रीवास्तव मौजूद रहे। यह हमारा सौभाग्य रहा कि इस कार्यक्रम में मेरे साथ त्रिपुरारी जी भी साक्षी रहे।

क्षेत्रीय प्रबंधक ने टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा प्रकाशित ई मैगजीन बालमंच की भूरी - भूरी प्रसंशा करते हुए बालमंच के लिए शुभकामना संदेश भी दिये।टीचर्स ऑफ बिहार सहरसा परिवार भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा सहरसा को धन्यवाद ज्ञापित करती है।

:- विकास कुमार, TOB समाचार प्रतिनिधि, सहरसा

प्रीति कुमारी

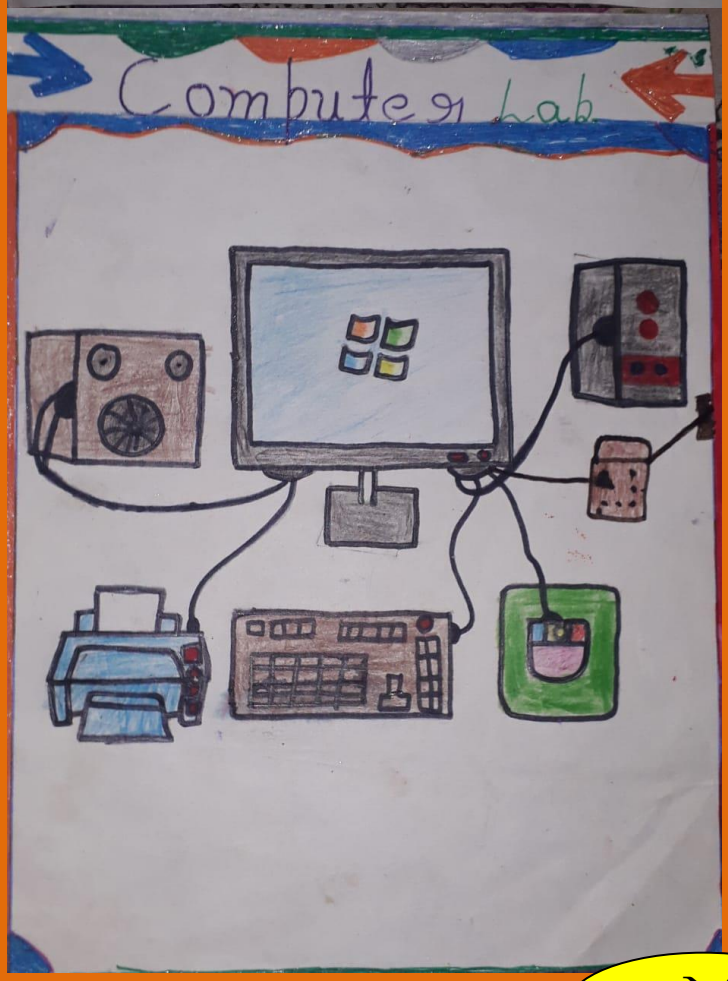

प्रेयश मिश्रा

पहेली

पहेली – एक गुफा के बतीस चोर
बतीस रहते तीनो ओर
दिन में यह करते अपना काम
रात को करते हैं आराम
बताओ क्या ?

दांत

पानी है पर बाहर नहीं
पूंछ है पर बन्दर नहीं
दाढ़ी है पर मूंछ नहीं
आंख है पर जीभ नहीं

नारियल

कोडिंग सीखेगा बिहार : इच्छा है तो संभव है!

क्या आपका बच्चे दिन भर मोबाइल पर गेम खेलते है ?
तो क्यों ना उसे गेम बनाना एवं कोडिंग सिखाया जाए ?
वर्षांत में टीचर्स ऑफ बिहार की एक अनूठी पहल। बिहार में सबसे
पहले टीओबी के प्लेटफार्म पर प्रत्येक रविवार एवं गुरु
ऑनलाइन सीखें कोडिंग।
विशेष जानकारी के लिए नीचे के लिंक को क्लिक करें👇
https://som.teachersofbihar.org/coding-sikhega-bihar/
रेजिस्ट्रेशन के लिए नीचे लिंक को क्लिक करें👇
https://tinyurl.com/Codingbihar

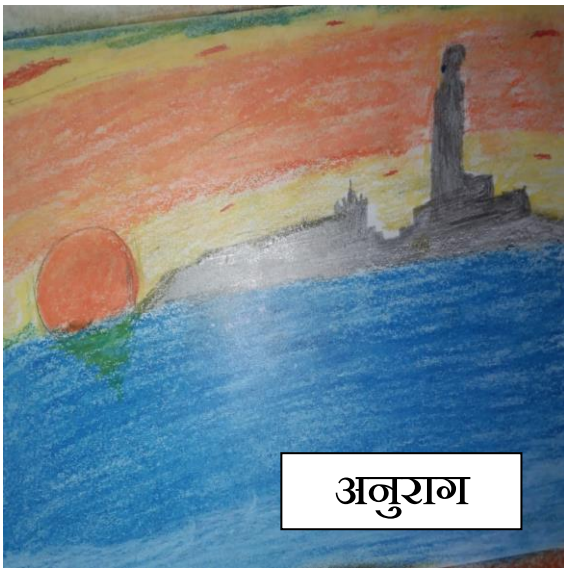

अनुराग

क्यों होती है ठंढ में कंप-कंपी ?

TEACHERS OF BIHAR
The change makers....

वैज्ञानिक कारण

हर इंसान में यह प्रतिक्रिया अलग अलग होती है| हर इंसान की त्वचा में तापमान के सेंसर होते हैं| कुछ लोगों में ये सेंसर कान में ज्यादा होते हैं तो कुछ में शरीर के किसी और हिस्से में ये सेंसर अधिक मात्रा में हो सकते हैं| इसके अलावा शरीर में तापमान के सेंसरों की संख्या हर इंसान में अलग हो सकती है| शरीर में मौजूद सेंसर एक समय में एक ही तरह के तापमान को समझते हैं| ठंडे तापमान को भांपने वाले सेंसर गर्म तापमान को नहीं आंक पाते हैं| लेकिन दुनिया के किसी भी कोने में रह रहे लोगों का आंतरिक तापमान लगभग समान ही होता है| हमारे शरीर का तामपान 36.5 डिग्री सेल्सियस के आसपास होता है| जैसे ही तापमान गिरता है शरीर का आंतरिक तंत्र सिग्नल भेज कर इस बात की सूचना देता है कि हम खतरे में हो सकते हैं| तापमान में परिवर्तन होने पर शरीर कांपना शुरू कर देता है या रोएं खड़े हो जाते हैं| जब हम कांपते हैं तो शरीर में रक्त स्राव तेज हो जाता है, जिससे हमें गर्मी मिलती है| पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में आंतरिक तापमान बनाए रखने का ज्यादा बेहतर तंत्र होता है| उनके शरीर की संरचना ही कुछ ऐसी होती है जिससे आंतरिक अंगों को गर्मी मिलती रहती है|

-: प्रस्तुतकर्ता :-

त्रिपुरारि राय
मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

सामन्य ज्ञान

1) ऐसा कौन सा पक्षी है जो छूने से मर जाता है? - टिटोनी पक्षी

2) ऐसा कौन सा पौधा है जो मांस खाता है? - विनस फ्लाईट्रैप

3) कौन सा प्राणी नर होने के बावजूद बच्चे पैदा करता है? - नर समुद्री घोड़ा।

4) भारत में कुल कितने जिले हैं? - 712 जिले।

5) भारत में सबसे बड़ा फल उत्पादक राज्य कौन सा है? - आंध्र प्रदेश।

प्रस्तुतकर्ता
रूबी कुमारी (शिक्षिका)
UMS सरौनी ,बौंसी (बाँका)

'टीचर्स ऑफ़ बिहार' एवं 'बालमंच' की ओर से सभी शिक्षकों, छात्रों, अभिभावकों एवं शिक्षाप्रेमियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ |

निष्ठा से सम्बंधित सूचनाएं :- **सभी जिला स्तरीय टेक्निकल ग्रुप कृपया ध्यान दें**

आप अवगत है कि एससीईआरटी पटना के द्वारा पूर्व में एनसीआरटी न्यू दिल्ली के निर्देशानुसार फेस टू फेस मोड में निष्ठा का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके शिक्षकों को भी ऑनलाइन निष्ठा प्रशिक्षण हेतु निर्देशित किया गया है ।फेस टू फेस मोड में निष्ठा का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके शिक्षकों के लिए ऑनलाइन निष्ठा प्रशिक्षण हेतु बजटीय प्रावधान नहीं रहने एवं इतने कम समय में निष्ठा के सभी 18 ट्रेनिंग मॉड्यूल का प्रशिक्षण प्रभावित होने के कारण विभाग द्वारा ऐसे शिक्षकों को ऑनलाइन निष्ठा ट्रेनिंग की बाध्यता समाप्त करने पर विचार कर रही है ।इस संबंध में अगले हफ्ते तक आदेश निर्गत होने की संभावना है । तत्काल वैसे शिक्षकों को ही निष्ठा प्रशिक्षण हेतु निर्देशित किया जाए जिन्होंने फेस टू फेस मोड में निष्ठा का ट्रेनिंग नहीं प्राप्त किए है।एवम् जिन्होंने16 अक्टूबर 2020से 15 जनवरी 20 तक संचालित ऑनलाइन निष्ठा प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसी कारणवश दीक्षा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन नहीं करा कर प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किए हैं अथवा दीक्षा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराकर सभी 18 ट्रेनिंग मॉड्यूल में सेकोई ना कोई ट्रेनिंग का प्रशिक्षण complete नहीं कर पाए है।

निवेदक :- राम विनय पासवान, समन्वयक, निष्ठा प्रशिक्षण एस.सी.ई.आर.टी., पटना

TEACHERS OF BIHAR

The Change Makers

ऑनलाइन कोर्स • गूगल ज़ूम पर टीचर्स ऑफ बिहार के सहयोग से संचालित की जा रहीं कोडिंग कक्षाएं

छात्रों को कोडिंग सिखा रहे सौरभ, बना सकेंगे सॉफ्टवेयर

क्या है कोडिंग

सप्ताह में दो दिन गूगल ज़ूम पर लेते हैं कक्षाएं

टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा किये जा रहे कार्य आने वाले दिनों में मिल का पत्थर साबित होगा: डॉ पवन सिन्हा

दस्तक प्रभात प्रतिनिधि

अररिया। टीचर्स ऑफ बिहार के द्वितीय स्थापना दिवस पर प्रदेश के शिक्षाबिद्ध एवम शिक्षा विभाग से पदाधिकारियो द्वारा भी अनेकों शुभकामनाएं दी गयी।उसी कड़ी मे डाक्टर पवन सिन्हा उर्फ गुरु जी ने टीचर्स ऑफ बिहार के फेसबुक लाइव कार्यक्रम में हिस्सा लेकर टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सीमित संसाधन और निश्वार्थ भाव से इस मंच द्वारा जो कार्य किये जा रहे वो आने वाले दिनों में मिल का पत्थर साबित होगा।साथ ही जिस तरह टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा बिहार की शिक्षा एवं शैक्षणिक कार्यों को कर रही है वो दिन दूर नहीं जब फिर बिहार में गुरु शिष्य एवं आचार्य की परंपरा का दौर चल पड़ेगा।इन्होंने टीचर्स ऑफ बिहार के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी।साथ ही इन्होंने ने कहा कि आपसी सहयोग और मेहनत का प्रतीक है की दो सालों में टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा बिहार के सरकारी विद्यालय के शिक्षकों को प्रोत्साहित करने एवं उनके नवाचारों को आगे लाने का कार्य किया है।

TOB NEWS

तकनीकी शिक्षा

अब सरकारी स्कूलों के बच्चों के साथ शिक्षक भी मुफ्त में सीखेंगे कोडिंग

अच्छी पहल

पैसे की भी बचत

- टीचर्स ऑफ बिहार के एक शिक्षक ऑनलाइन सिखा रहे हैं कोडिंग
- भागलपुर के भी शिक्षक और छात्र ले रहे हैं उनसे क्लास
- निजी कंपनियां इसे सिखाने में लेती हैं हजारों की फीस

शिक्षक बना सकते हैं वीडियो

हौवा नहीं है कोडिंग

TEACHERS OF BIHAR

टीओबी की शान,शिक्षा जगत की पहचान टीचर्स ऑफ बिहार हुआ चालीस हजार पार...

फारबिसगंज:-टीचर्स ऑफ़ बिहार के संस्थापक शिव कुमार ने इस अवसर पर शिक्षा जगत से जुड़े शिक्षा प्रेमियों, शिक्षाविदों को सम्बोधित करते हुए बताया कि पिछले दो वर्षों से शिक्षकों की तपस्या, त्याग, समर्पण, धैर्य, जुनून, जज्बात आदि के समेकित रूप का ही नतीजा है कि आज हम सभी का टीचर्स ऑफ बिहार फेसबुक ग्रुप के सदस्यों की संख्या चालिस हजार पर हो गयी है। वैसे तो शिक्षक सृजन के संघर्ष पथ के मतवाले रहें हैं जिनके पग कोविड-19 के संक्रमण काल में ना रुके, न झुके, बस बढ़ते रहे। विद्वान शिक्षक साथियों का हाथ और साथ हम सब के लिए इस जन्म का अनुपम उपहार है। शिक्षकों को संबोधित कर इन्होंने कहा.. आइए हम सब एक नए जोश के साथ अपने कभी न रुकने वाले यात्रा को आगे बढ़ाते हैं जिसका लक्ष्य अपने सहकर्मी शिक्षक साथियों में कौशल विकास सहित पेशेवर नजरिया पैदा करने की कोशिश करते हैं तो देश के नौनिहालों में सृजन की भूख, चिंतन, खोजबीन की प्रवृति आदि विकसित करने का जुनून। आप सबको पुन: टीचर्स ऑफ बिहार फेसबुक ग्रुप के चालीस हजार होने पर अनेकों शुभकामनाएं देते हुए बिहार की शिक्षा को एक नए आयाम तक ले जाने को लेकर संकल्पित है। उपयुक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता श्री रंजेश सिंह ने दी।

NISHTHA

National Initiative for school Head's and Teachers' Holistic Advancement

Integrated Teacher Training for Change

NISHTHA TECHNICAL TEAM, SAHARSA

TRIPURARI ROY
Mob- 6202839650

VIKASH KUMAR
Mob- 7004967801

PANKAJ KUMAR
Mob- 9471416754

विलोम शब्द

शब्द	विलोम
निर्माणम्	विनाशम्
बन्धनम्	मोक्षः
लघुः	गुरुः
सुगमः	दुर्गमः
सुकर्म	दुष्कर्म
कुरूपः	सुन्दरः
शंकाः	समाधानम्
ज्ञानम्	अज्ञानम्
उत्तीर्णः	अनुत्तीर्णः

Pronoun Chart

	Subject Pronouns	Object Pronouns	Possessive Adjectives	Possessive Pronouns	Reflexive Pronouns
1st person	I	me	my	mine	myself
2nd person	you	you	your	yours	yourself
3rd person (male)	he	him	his	his	himself
3rd person (female)	she	her	her	hers	herself
3rd person	it	it	its	(not used)	itself
1st person (plural)	we	us	our	ours	ourselves
2nd person (plural)	you	you	your	yours	yourselves
3rd person (plural)	they	them	their	theirs	themselves

सूचना :- यदि आपमें भी है अपनी कला दिखाने की चाहत, तो आप सभी बच्चे भी हमें अपनी रचनाएँ भेजें | आप अपनी रचनाएँ हमें हमारे Whatsapp No. 6202839650 (Tripurari Roy) पर भेजें | चुनी गई उत्कृष्ट रचनाएँ, चित्रों, लेखों आदि को हम 'बालमंच' में प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे |

समाप्त